

17/8/23

पत्रावली पेच डची वकील प्रार्थी उपस्थित।
अप्रार्थीगण की लामील रजिस्टर्ड डाक से
घोकर प्राप्त हुई। इन्हीं कोर-त कोर
उपस्थित बड़ी भाषा। उक्त प्रार्थना
पत्र हुकी गई। पत्रावली का दयापूर्वक
अवलोकन किया गया। प्रार्थना पत्र स्वीकार
किया जाता है। मूल वाड 67/2017 अर्थात्
विश्वोदी लाल vs विद्यादेवी पुनः दर्ज करने
की अनुमति दी जाती है। पत्रावली के मूल मुकद
नम्बर से उक्त घोकर का मूल वाड
के साथ संलग्न है।

